

1. प्रश्न - आर्थिक विकास क्या है? आर्थिक विकास एवं आर्थिक वृद्धि में अंतर बताएं।

उत्तर - आर्थिक विकास आम भा उत्पादन में वह वृद्धि है, जो उत्पादन की तकनीक एवं अर्थ व्यवस्था के ढांचे में परिवर्तन से प्राप्त हो। उदाहरण के लिए हरित क्रांति एवं भूमि सुधार के कारण कृषि उत्पादन में हुई वृद्धि को हम आर्थिक विकास का सूचक मान सकते हैं। आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाना है। इसके लिए अर्थव्यवस्था को के निष्क्रिय संसाधनों को गतिशील किया जाता है। जहाँ आर्थिक वृद्धि संसाधनों के संवर्धन से आसानी से प्राप्त की जा सकती है, वही विकास एक विस्तृत और जटिल प्रक्रिया है। विकास के उद्देश्यों में मूल्य दर आदि में कमी भी शामिल है। अतः विकास कल्याण एवं जीवन की गुणवत्ता से संबंधित है।

सारोश में, हम यह कह सकते हैं कि आर्थिक वृद्धि शब्द का प्रयोग विकसित राष्ट्रों के लिए किया जाता है, जबकि आर्थिक विकास का व्यवहार विकासशील राष्ट्रों के संदर्भ में किया जाता है। अतः यदि धनी देशों की आम बात है, तो यह 'आर्थिक वृद्धि' है जबकि निर्धन देशों की आम बात है तब आर्थिक विकास का धोतक है।

2. प्रश्न - एक अर्थव्यवस्था के मुख्य कार्यों की विवेचना कीजिए।

उत्तर - एक अर्थव्यवस्था का मुख्य कार्य मनुष्य की भौतिक आवश्यकताओं को संतुष्ट करना है। परंतु, इसके लिए कई प्रकार की आर्थिक क्रियाओं का समन्वय होता है। इनमें प्रमुख हैं, जो निम्नलिखित हैं।

i. उत्पादन - किसी भी देश के नागरिकों को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कई प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं की जरूरत पड़ती है। एक अर्थव्यवस्था में ही उत्पादन के विभिन्न साधनों के सहयोग से वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है।

ii. विनिमय - सभ्यता के विकास के साथ ही मनुष्य की आवश्यकताओं में बहुत बढ़ गई है। आज समाज का कोई भी सदस्य अपनी सभी आवश्यकताओं को स्वयं पूरा नहीं कर सकता। वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति केवल एक ही वस्तु का उत्पादन करता है और दूसरों से विनिमय या लेन देन कर अपनी आवश्यकता की अन्य वस्तुएँ प्राप्त करता है।

iii. वितरण - आधुनिक समय में वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन कई संसाधनों के सहयोग से होता है। अतः राष्ट्रीय उत्पादन अर्थात् उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के अन्तर्गत का भी इन्हीं के बीच वितरण कर दिया जाता है। एक अर्थव्यवस्था ही इस बात का निर्णय लेती है कि उत्पादन के साधनों या कारकों के बीच उत्पादित संपत्ति का किस प्रकार से वितरण हो।

iv. आर्थिक विकास - अर्थव्यवस्था का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य आर्थिक विकास की गति को बनाये रखना है। इसके लिए यह वर्तमान उत्पादन के एक भाग को बचाकर उसका विनिमय करती है। इससे देश या समाज की भावी उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है।



प्रश्न:- विश्व में अर्थव्यवस्था कितने प्रकार की पायी जाती है।

(2)

उत्तर:- विश्व में के विभिन्न देशों में विभिन्न प्रकार की अर्थव्यवस्थाएँ अपनाई जाती हैं जो निम्नलिखित हैं।

i. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था - पूँजीवादी अर्थव्यवस्था वह अर्थव्यवस्था है, जहाँ उत्पादन के साधनों का स्वामित्व निजी व्यक्तियों के पास होता है जो इसका उपयोग अपने निजी लाभ के लिए करते हैं। जैसे- अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया आदि।

ii. समाजवादी अर्थव्यवस्था - समाजवादी अर्थव्यवस्था वह अर्थव्यवस्था है, जहाँ उत्पादन के साधनों का स्वामित्व एवं संचालन देश की सरकार के पास होता है जिसका उपयोग सामाजिक कल्याण के लिए किया जाता है। चीन, वियतनाम आदि देशों में समाजवादी अर्थव्यवस्था है। विगत वर्षों में भ्रष्टाचार एवं उदारीकरण के कारण समाजवादी अर्थव्यवस्था का स्वरूप बदलने लगा है।

iii. मिश्रित अर्थव्यवस्था - मिश्रित अर्थव्यवस्था में पूँजीवादी तथा समाजवादी अर्थव्यवस्था का मिश्रण है। मिश्रित अर्थव्यवस्था वह अर्थव्यवस्था है जहाँ उत्पादन के साधनों का स्वामित्व सरकार तथा निजी व्यक्तियों के पास होता है। भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था है। यह व्यवस्था पूँजीवाद एवं समाजवाद के बीच का रास्ता है।